



Lakshay



Nidhi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121235701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121235701

Date: 10/02/2026

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग  
03/11/1998 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 31-01/01/2002  
मंगलवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : सोम-मंगलवार  
घंटे 07:20:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 06:00:00 घंटे  
घटी 01:44:38 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 56:41:14 घटी  
India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
Solan : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Solan  
30:54:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 30:54:00 उत्तर  
77:06:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 77:06:00 पूर्व  
82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
घंटे -00:21:36 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : -00:21:36 घंटे  
घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
06:38:08 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 07:19:30  
17:32:49 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 17:29:54  
23:50:16 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 23:52:49  
तुला : \_\_\_\_\_ लग्न \_\_\_\_\_ : वृश्चिक  
शुक्र : \_\_\_\_\_ लग्न लग्नाधिपति \_\_\_\_\_ : मंगल  
मेष : \_\_\_\_\_ राशि \_\_\_\_\_ : कर्क  
मंगल : \_\_\_\_\_ राशि-स्वामी \_\_\_\_\_ : चन्द्र  
अश्विनी : \_\_\_\_\_ नक्षत्र \_\_\_\_\_ : पुष्य  
केतु : \_\_\_\_\_ नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_ : शनि  
1 : \_\_\_\_\_ चरण \_\_\_\_\_ : 2  
वज्र : \_\_\_\_\_ योग \_\_\_\_\_ : वैधृति  
वणिज : \_\_\_\_\_ करण \_\_\_\_\_ : गर  
चू-चूड़ामणि : \_\_\_\_\_ जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_ : हे-हेमा  
वृश्चिक : \_\_\_\_\_ सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_ : मकर  
क्षत्रिय : \_\_\_\_\_ वर्ण \_\_\_\_\_ : विप्र  
चतुष्पाद : \_\_\_\_\_ वश्य \_\_\_\_\_ : जलचर  
अश्व : \_\_\_\_\_ योनि \_\_\_\_\_ : मेष  
देव : \_\_\_\_\_ गण \_\_\_\_\_ : देव  
आद्य : \_\_\_\_\_ नाडी \_\_\_\_\_ : मध्य  
सिंह : \_\_\_\_\_ वर्ग \_\_\_\_\_ : मेष

**शर्मा डा.जगदीश**

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

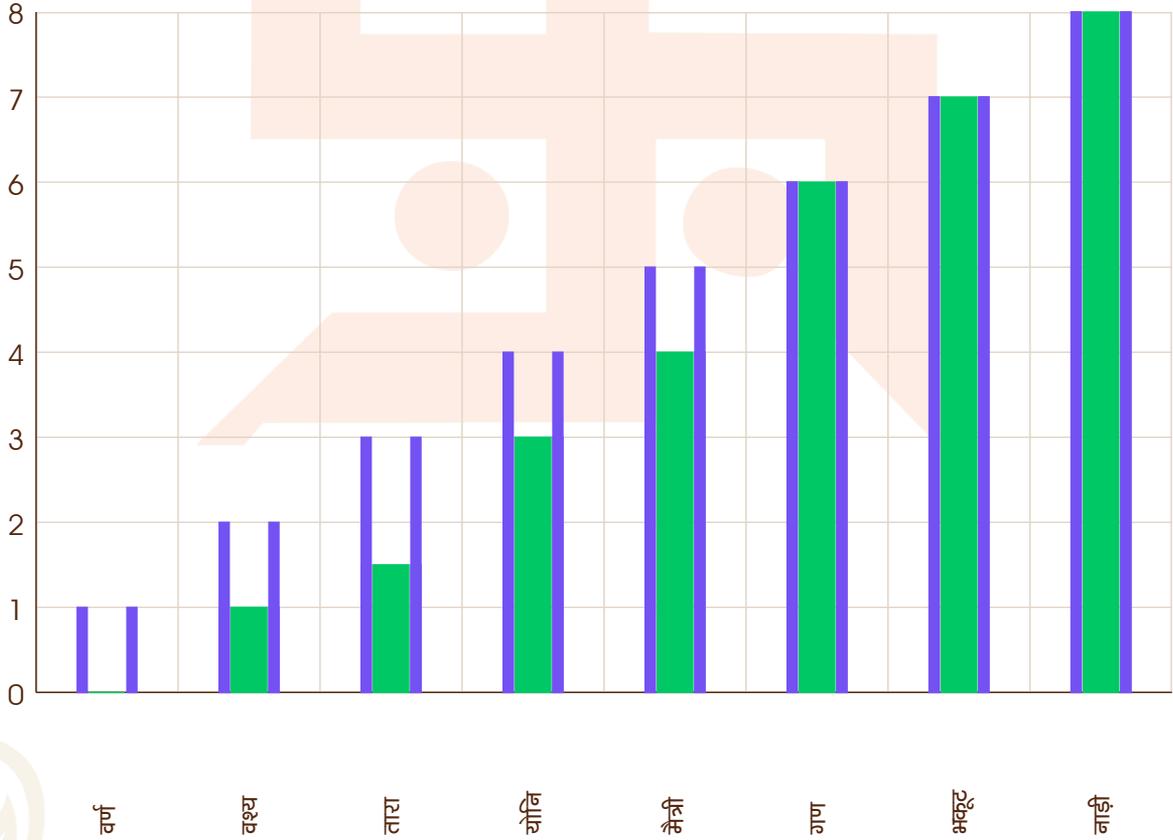
jagdish0069@gmail.com



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>30.50</b>		

कुल : 30.5 / 36



**शर्मा डा.जगदीश**

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

## अष्टकूट मिलान

Lakshay का वर्ग सिंह है तथा Nidhi का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।  
अष्टकूट मिलान के अनुसार Lakshay और Nidhi का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

Lakshay मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।  
Nidhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Lakshay कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Lakshay तथा Nidhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

**शर्मा डा.जगदीश**

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

Lakshay का वर्ण क्षत्रिय तथा Nidhi का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Nidhi हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना Lakshay एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

### वश्य

Lakshay का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Nidhi का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। Lakshay एवं Nidhi दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में Lakshay एवं Nidhi दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

### तारा

Lakshay की तारा विपत तथा Nidhi की तारा मित्र है। Lakshay की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Lakshay एवं Nidhi के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Nidhi हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Nidhi को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

### योनि

Lakshay की योनि अश्व है तथा Nidhi की योनि मेष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

## शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Lakshay का राशि स्वामी Nidhi के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि Nidhi का राशि स्वामी Lakshay के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

### गण

Lakshay का गण देव तथा Nidhi का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

### भकूट

Lakshay से Nidhi की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Nidhi से Lakshay की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Lakshay परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Nidhi घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

### नाड़ी

Lakshay की नाड़ी आद्य है तथा Nidhi की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

## शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Lakshay की जन्मराशि मेष तथा Nidhi की जन्मराशि कर्क है। कर्क राशि जलतत्व एवं मेषराशि अग्नि तत्व युक्त है तथा अग्नि एवं जल के मध्य नैसर्गिक रूप से असमता का भाव अधिक होता है। अतः आप दोनों के मध्य असमानताएं अधिक रहेंगी। साथ ही Lakshay और Nidhi में परस्पर भय का वातावरण रहेगा परन्तु समयानुकूल सम्मान के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। यही सम्मान एवं समानता का भाव इनको मधुर क्षण उपलब्ध कराएगा।

Lakshay और Nidhi के राशि स्वामियों की स्थिति परस्पर मित्र है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति शुभ रहेगी। यद्यपि Nidhi बाह्यरूप से मृदु एवं कोमल होगी परन्तु आंतरिक मन से वह सुदृढ रहेंगी तथा भावनाओं से लड़ने में सफल होगी तथा अपने प्रेमी के लिए बड़ा से बड़ा त्याग करने के लिए तत्पर रहेगी परन्तु Lakshay एक व्यावहारिक व्यक्ति होने के कारण उनकी इन भावनाओं को विशेष महत्व नहीं देंगे लेकिन Nidhi उनके स्वार्थ एवं बचपने को समझकर उनसे सामंजस्य स्थापित करने में समर्थ रहेंगी।

Lakshay और Nidhi की राशियां परस्पर 4-10 भाव में पड़ती हैं। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से इनका सामान्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा तथा आर्थिक एवं भौतिक रूप से भी सम्पन्न रहेंगे। यद्यपि Lakshay की प्रवृत्ति निराशावादी रहेगी परन्तु Nidhi अपने प्रबल आशावाद से अप्रिय क्षणों को दूर करके किंचित सुखद क्षणों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगी।

Lakshay का वश्य चतुष्पाद तथा Nidhi का वश्य जलचर है। इसके प्रभाव से इनका दाम्पत्य जीवन आदर्श एवं उत्साह से पूर्ण रहेगा तथा Lakshay, Nidhi की कामभावनाओं का आदर करते हुए उन्हें पूर्ण रूप से प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Nidhi का वर्ण ब्राह्मण तथा Lakshay का वर्ण क्षत्रिय है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं एवं क्षेत्रों में भिन्नता रहेगी। Lakshay जहाँ उत्साही पराक्रमी एवं साहसी कार्यों को करने में रुचिशील रहेंगे वहाँ Nidhi अध्ययन अध्यापन शास्त्रीय या अन्य सत्कार्यों को करने में रुचिशील होंगी परन्तु इससे दाम्पत्य जीवन की शुभता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

## धन

Lakshay और Nidhi दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

## शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

### स्वास्थ्य

Lakshay का जन्म आद्य तथा Nidhi का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव Lakshay के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबंधी परेशानियां भी हो सकती हैं। साथ ही धातु या काम क्रिया संबंधी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Lakshay को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

### संतान

संतति की दृष्टि से Lakshay और Nidhi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Lakshay और Nidhi को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Lakshay और Nidhi के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Nidhi का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Nidhi के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाकटरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Nidhi सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Lakshay और Nidhi को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Lakshay और Nidhi का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

### ससुराल-सुश्री

Nidhi के सास के साथ संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर

## शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी Nidhi को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः Nidhi को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ Nidhi के संबंध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबंधों से Nidhi सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

### ससुराल-श्री

Lakshay की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Lakshay सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Lakshay ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Lakshay के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

**शर्मा डा.जगदीश**

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com